

CUCUMBER- PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Cucumber seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Cucumber seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Cucumber seeds provide excellent germination & better Vigor with tolerance to biotic & abiotic stresses. Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Cucumber Hybrid	Honey	Hiral, Uttam, Tina	Honey, Jilmil	Suhani, Shama, Sweta	CU-23, SPS-91211, Sandhya Plus	Tina, Riya	Emi, Poonam					
Duration	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS					
Kharif	YES	YES	YES	YES	YES	YES	YES					
Rabi	YES	YES	YES	YES	YES	YES	YES					
Spring	YES	YES	YES	YES	YES	YES	YES					
Source of Irrigation	Borewell	Borewell	Borewell	Borewell	Borewell	Borewell	Borewell					

Please note according to weather conditions crop growth & maturity may be different

S. No.	Particulars/ operations/Practice	Details of operation. input per acre
1	Suitability for the area. Agro climatic zone	Cucumber is thermophilic and frost susceptible crop. Most favourable temp is 18-24° C and above 30° C female flower production is reduced. Light intensity and day length influences anthesis more than the temp.
2	Land/ Soil	Sandy loam rich in organic matter is essential with good drainage and Ideal pH is 6.0-7.0
3	Season, Sowing/ planting time	Oct-Nov in South and Central India. Feb-June in North India.
4	Seed rate/ acre	Around 250-300gm/ acre for hybrids.
4	Sowing/ planting method	Canal method/ by staking method.
5	Preparation of Main field and planting	Apply 10 tonnes of decomposed FYM followed by harrowing to mix in the soil. * Form sowing canals * Apply basal dose of fertilizers in sowing canals and cover the fertilizer * Irrigate the field two day prior to sowing. * Dibble two seed per hill, immediately give light irrigation for quick and better Germination
6	Spacing	Row to Row (canal) 180-200 cm; Plant to plant: 45cm Ground. 3-4 feet between ridges 45 cm between plants on staked crop.
7	Seed treatment before sowing	Seed is treated with Gaucho (Imido) 2 ml/kg. Hence, do not soak the seed before sowing.
8	Manures and Fertilizers/ Acre	* Basal dose & crop establishment stage : 30:30:30 Kg NPK * First top dressing 20- 30 days after sowing: 15kg N (Branching stage) * Second top dressing after first pick 45-60 DAS : 15 kg N Total 60:30:30 Kg NPK/ acre
9	Irrigation schedule	Irrigate field depending on soil type . Light and frequent irrigation once in 5-6 days interval is recommended. Ensure sufficient moisture at root zone especially during flowering & fruiting stage.
10	Weeding/ inter cultivation	3-4 hand weeding is required. Keep plots free of weed. Earthing up at 30 and 60 days after sowing.
11	Micronutrient/ growth regulator sprays	Spray multiplex 1g/ litre during fruiting stage & Micronutrient mix 1g/ litre during flowering period.
12	Pest and Disease control	Powdery Mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per litter) Downy mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per litre) Leaf miner: Abamectin 1.8% EC (0.5 to 1 ml/litre), Red pumpkin beetle: Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 ml/litre) Thrips / Aphids : Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre) Fusarium Wilt: Drench with Carbendazim (1gm/litre) Fruit fly: Use pheromone traps. Delta mithrin 1ml/litre For more information to control & disease in field, please consult with local agriculture officers.
13	Harvest	Fruits get ready to harvest 40-45DAS. Cucumber are often harvested when they about 15-20cm long and also depend upon specific preference of local market. Harvest tender fruits once in 3 days.
14	Expected yield	Yields 8-10 tons/ acre from a well managed crop under ideal conditions.
17	Storage	
18	Don't Do	Don't use Sulphur based chemicals.
19	Do's	

Note The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.

Precautions Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.

बीरा की बेटी का तरीका

बेटी ही! आपने क्रिस्टल परिवार के बीरा की बेहतरीन किस्म के बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टल कंपनी को उच्च दर्जे के बीरा बीजों के उत्पादन का समृद्ध अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग बेटी की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल के बीरा के बीजों में उच्च अंडुरण क्षमता, मजबूत पौध वृद्धि और रोग और पर्यावरणीय तनावों के प्रति अच्छी सहनशीलता प्रदान करते हैं।

बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु बेटी के अनुश्रुत तरीकों को अपनाएं। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आगे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि किसान लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

हाइब्रिड बीरा	हरी	किल, हाइब्रिड टैग, हाइब्रिड, उष्ण, टैग	हरी, हाइब्रिड, किल/किल	हाइब्रिड, सुतनी, उष्ण, टैग	मींग-11, हाइब्रिड, एम्पोएस-11111, मंडा कलस	हाइब्रिड, टैग, किल, उष्ण	एफी, मीमा (एफ1), हाइब्रिड, सुतनी						
अवधि	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS						
सुरीय	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ						
रबी	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ						
वसंत	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ						
सिंचाई का स्रोत	बोरवेल	बोरवेल	बोरवेल	बोरवेल	बोरवेल	बोरवेल	बोरवेल						

कृषया ध्यान रखें कि जलवायु की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिष्कार होने का समय अलग-अलग हो सकता है

क्रम सं.	विवरण/संभावित/उत्पत्ति	कार्यवाही का विवरण। प्रति एकड़ लागत
1	शेख के लिए उपयुक्तता। कृषि-जलवायु क्षेत्र	बीरा गर्मी पसंद करने वाली और टंड से प्रभावित होने वाली फसल है। बीरे के लिए 18-24°C तापमान सबसे उपयुक्त होता है, जबकि 30°C से ऊपर मादा पौधों की संख्या घट जाती है। तापमान की तुलना में प्रकाश की तीव्रता और दिन की अवधि का पुष्पन पर अधिक प्रभाव पड़ता है।
2	भूमि/ मिट्टी	अच्छी जल निकासी वाली, जैविक पदार्थों से समृद्ध रेवीनी दोमट मिट्टी आवश्यक है, जिसका आदर्श pH 6.0-7.0 होना चाहिए।
3	मौसम, बुवाई/रोपाई का समय	दक्षिण और मध्य भारत के लिए, अक्टूबर-नवंबर। उत्तर भारत के लिए, फरवरी से जून का समय।
4	प्रति एकड़ बीज की मात्रा	संकर प्रजातियों हेतु बीज की मात्रा लगभग 250-300 ग्राम प्रति एकड़ होती है।
4	बुवाई/रोपाई का तरीका	सह पद्धति / स्ट्रेकिंग (सहारा देने) की पद्धति।
5	सूखे क्षेत्र की तैयारी और रोपाई	10 टन सड़ा हुआ गोबर डालें और हल चला कर मिट्टी में ठीक से मिला दें। * बीज बोने के लिए चैनल बनाएं। * बुवाई चैनलों में आधार खुराक के रूप में उर्वरक डालें और मिट्टी से ढक दें। * बीज बोने से दो दिन पहले क्षेत्र में पानी दें। * हर भेड़ पर दो बीज बोएं और तुरंत थोड़ा पानी से सिंचाई करें, जिससे बीज तेजी से अंकुरित हों।
6	पौधों के बीच दूरी	मंकि से पंक्ति (जल भारी) 180-200 सेमी; पौधों के बीच दूरी: 45 सेमी। मंडों के बीच 3-4 फीट और स्ट्रेकिंग फसल में पौधों के बीच 45 सेमी का अंतर।
7	बुवाई से पहले बीज उपचार	बीज पर Gaucho (Imido) का उपचार 2 मि.ली./किग्रा मात्रा में किया जाता है। अतः, बीज को बोने से पहले पानी में न सिंचें।
8	जैविक और रासायनिक उर्वरक / एकड़	* फसल की शुरूआती अवस्था में बेसल मात्रा: 30:30:30 किग्रा NPK * बीज बोने के 20-30 दिन पश्चात पहली टॉप ड्रेसिंग: 15 किग्रा N (ब्रांचिंग स्टेज) पहली फसल लेने के 45-60 दिन बाद दूसरी टॉप ड्रेसिंग: 15 किग्रा N। कुल मात्रा 60:30:30 किग्रा NPK/एकड़
9	सिंचाई कार्यक्रम	मिट्टी की प्रकृति के अनुसार क्षेत्र में पानी देना आवश्यक है। 5-6 दिन के अंतराल पर हल्की और नियमित सिंचाई की अनुशंसा की जाती है। पुष्पन और फलन के समय जड़ों के आसपास पर्याप्त नमी बनाए रखना आवश्यक है।
10	निराई/ क्षेत्र की बीच-बीच में जुताई	फसल में 3-4 बार हाथ से निराई करना जरूरी है। क्षेत्र में किसी भी तरह का खरपतवार न होने दें। 30 और 60 दिन के बाद पौधों के आसपास मिट्टी भरें।
11	पोषक तत्व/विकास नियामक का छिड़काव	सल लगाने के समय मल्टीप्लेक्स 1 ग्राम/लीटर छिड़कें और फूल लगने के दौरान 1 ग्राम/लीटर की दर से सूक्ष्म पोषक तत्वों के मिश्रण का छिड़काव करें।
12	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण	माउडरी मिलक्यू: टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीमेट्रोबिन 25% WG (0.5-1 ग्राम प्रति लीटर) शाउनि मिलक्यू: टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीमेट्रोबिन 25% WG (प्रति लीटर 0.5-1 ग्राम) पानी खाने वाले कीट: एफामेफिटिन 1.8% EC (0.5-1 मिली/लीटर) रेड पंपकिन बीटल: डेल्टामैथिन 5.56% w/w SC (0.5 मिली/लीटर) जिग्म और एफिड: फ्लोनिक्वाइड 50% WG (0.5 ग्राम/लीटर) स्पूडेरियम बीटल: फावेंडोनालिम (1 ग्राम/लीटर) से मिट्टी का उपचार करें शूट फ्लाई: फेरोमोन ट्रैप का प्रयोग करें। 1 मिली/लीटर दर से डेल्टामैथिन का छिड़काव करें फसल रोग नियंत्रण ड्रेज विमिनल जानकारी के लिए कृषया नजदीकी कृषि अधिकारियों से संपर्क करें।
13	फसल काटना	40-45 दिन के भीतर फल कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। बीरे 15-20 सेमी लंबाई होने पर आमतौर पर कटाई के लिए तैयार होते हैं और यह स्थानीय बाजार की मापमिपकताओं पर भी निर्भर करता है। फोमल फलों को तीन दिन के अंतराल पर तोड़ें।
14	अनुमानित उपज	उचित देखभाल और आदर्श स्थिति में फसल से 8-10 टन प्रति एकड़ उपज प्राप्त होती है।
17	भंडारण	
18	क्या न करें	संकर युक्त फसिलन का इस्तेमाल न करें।
19	क्या करें	

नोट यह जानकारी सिर्फ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुशंसाओं के लिए कृषया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।

सावधानियाँ फसल वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः सलाह है कि सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के विल अपने पास रखें।

કાકડી-પેતી માટેની ભલામણ કરેલી પદ્ધતિઓ

અભિનંદના તમે ફિસ્ટલ પરિવારમાંથી શ્રેષ્ઠ કાકડીના બીજમાંથી એક પસંદ કર્યું છે. ફિસ્ટલને ઉચ્ચ-ગુણવત્તાવાળા કાકડીના બીજનું ઉત્પાદન કરવાનો સારો અનુભવ છે. આ બીજ વ્યાપક સંશોધનનું પરિણામ છે, જેનો ઉદ્દેશ્ય વિવિધ કૃષિ આબોહવા માટે યોગ્ય ઉચ્ચ ઉપજ આપતા હાઇબ્રિડ પાક વિકસાવવાનો છે. ખેડૂતોને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીજ મળે તે સુનિશ્ચિત કરવા માટે ફિસ્ટલ બીજ ઉત્પાદન દરમિયાન નવીનતમ તકનીકો અપનાવે છે. ફિસ્ટલના કાકડીના બીજ ઉત્તમ અંકુરણ અને વધુ સારી શક્તિ પ્રદાન કરે છે, સાથે જૈવિક અને અજૈવિક તાણ સહન કરે છે. ઉત્તમ ઉપજ મેળવવા માટે કૃપા કરીને શ્રેષ્ઠ પેતી પદ્ધતિઓ અપનાવો. નીચે આપેલ સામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, તેથી અમે તમને કોઈપણ નિર્ણય લેતા પહેલા આ ભલામણો વાંચવા વિનંતી કરીએ છીએ.

કાકડી હાઇબ્રિડ	હની	ફિરલ, હાઇબ્રિડ. ટીના, હાઇબ્રિડ. ઉત્તમ, ટીના	હની, હાઇબ્રિડ. ઝિલમિલ	હાઇબ્રિડ. સુહાની, શામા, ચૈતા	સીચૂર3, હાઇબ્રિડ. એસપીએસ-૯૧૨૧૧, સંધ્યા પલસ	હાઇબ્રિડ. ટીના, રિયા, શામા	એમી, ગરિમા (એફ૧૧), હાઇબ્રિડ. પુનમ						
સમયગાળો	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS						
ખરીફ	હા	હા	હા	હા	હા	હા	હા						
રાબી	હા	હા	હા	હા	હા	હા	હા						
વસંત	હા	હા	હા	હા	હા	હા	હા						
સિંચાઈનો સ્ત્રોત	બોરવેલ	બોરવેલ	બોરવેલ	બોરવેલ	બોરવેલ	બોરવેલ	બોરવેલ						

કૃપા કરીને નોંધ લો કે હવામાન પરિસ્થિતિઓ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતા અલગ અલગ હોઈ શકે છે.

ક્રમ નં.	વિગતો/કામગીરી/પ્રેક્ટિસ	કામગીરીની વિગતો. પ્રતિ એકર ઇનપુટ
1	વિસ્તાર માટે યોગ્યતા. કૃષિ આબોહવા ક્ષેત્ર	કાકડી ગરમી પ્રેમાળ અને ફિમ પ્રત્યે સંવેદનશીલ પાક છે. સૌથી અનુકૂળ તાપમાન 18-24 સેલ્સિયસ છે અને 30 સેલ્સિયસથી ઉપર માદા ફૂલોનું ઉત્પાદન ઘટે છે. પ્રકાશની તીવ્રતા અને દિવસની લંબાઈ તાપમાન કરતાં એથેલિસને વધુ પ્રભાવિત કરે છે.
2	જમીન / માટી	કાર્બનિક પદાર્થોથી ભરપૂર રેતાળ લોમ સારા ડ્રેનેજ સાથે જરૂરી છે અને આદર્શ pH 6.0-7.0 છે.
3	જનુ, વાવણી/વાવેતરનો સમય	દક્ષિણ અને મધ્ય ભારતમાં ઓક્ટોબર-નવેમ્બર. ઉત્તર ભારતમાં ફેબ્રુઆરી-જૂન.
4	બીજ દર/એકર	હાઇબ્રિડ માટે લગભગ 250-300 ગ્રામ/એકર.
4	વાવણી/વાવેતર પદ્ધતિ	નહેર પદ્ધતિ/ સ્ટેકિંગ પદ્ધતિ બરા.
5	મુખ્ય ખેતરની તૈયારી અને વાવેતર	10 ટન વિદ્યેતિત છાંણિયું ખાતર નાખો અને ત્યારબાદ જમીનમાં ભેળવીને કાપણી કરો. * વાવણી નહેરો બનાવો * વાવણી નહેરોમાં ખાતરનો મૂળ માત્રા આપો અને ખાતરને ઢાંકી દો. * વાવણીના બે દિવસ પહેલાં ખેતરમાં પાણી આપો. * JSDપી અને સારા અંકુરણ માટે દરેક ટેકરી પર બે બીજ ખોદીને તરત જ હળવું પાણી આપો.
6	અંતર	લાઈન થી લાઈન (નહેર) 180-200 cm; છોડથી છોડ: 45cm જમીન. ટેકરા વચ્ચે 3-4 ફૂટ અને દાંડીવાળા પાક પરના છોડ વચ્ચે 45 cmનું અંતર.
7	વાવણી પહેલાં બીજ માવજત	બીજને ગોચો (ઇમિડો) 2 મિલી/કિલો સાથે માવજત કરવામાં આવે છે. તેથી, વાવણી કરતા પહેલા બીજને પલાળી રાખજો નહીં.
8	ખાતર અને ખાતર/એકર	* મૂળ માત્રા અને પાક સ્થાપના તબક્કા: 30:30:30 Kg NPK * વાવણી પછી 20-30 દિવસ પછી પહેલું ટોપ ડ્રિસિંગ: 15 કિલો નાઇટ્રોજન (શાખાઓનો તબક્કો) * પ્રથમ ચુંટણી પછી બીજ ટોપ ડ્રિસિંગ 45-60 DAS: 15 કિલો નાઇટ્રોજન કુલ 60:30:30 કિલો NPK/એકર
9	સિંચાઈ સમયપત્રક	જમીનના પ્રકાર પ્રમાણે ખેતરમાં સિંચાઈ કરો. 5-6 દિવસના અંતરાલમાં એકવાર હળવું અને વારંવાર સિંચાઈ કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ખાસ કરીને ફૂલો અને ઇજા આવવાના તબક્કા દરમિયાન મૂળ વિસ્તારમાં પૂરતો ભેજ સુનિશ્ચિત કરો.
10	નીંદણ/આંતરપેતી	3-4 વાર હાથથી નીંદણ કાઢવાની જરૂર છે. પ્લોટને નીંદણ મુક્ત રાખો. વાવણી પછી 30 અને 60 દિવસે માટી ખોદવી.
11	સૂક્ષ્મ પોષકતત્ત્વો/વૃદ્ધિ નિયમનકાર સ્પ્રે	ઇજા આવવાના સમયગાળા દરમિયાન મલ્ટિ-પ્લેક્સમાં 1 ગ્રામ/લિટર અને ફૂલો આવવાના સમયગાળા દરમિયાન સૂક્ષ્મ પોષકતત્ત્વોનું મિશ્રણ 1 ગ્રામ/લિટર છંટકાવ કરો.
12	જીવાત અને રોગ નિયંત્રણ	પાવડરી ફૂગ: ટ્રાઇકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇકોલોક્સીમિલિન 25% WG (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લીટર) તરબોડ: ટ્રાઇકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇકોલોક્સીમિલિન 25% WG (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) પાન ખાણિયો: એબામેક્ટીન 1.8% EC (0.5 થી 1 મિલી/લિટર), લાલ શીળાની ભમરી: ડેલ્ટામેથિન 5.56% SC સાથે (0.5 મિલી/લિટર) થ્રિપ્સ/મોલો મચ્છર: ફ્લોનોક્સિમિલિન 50% WG (0.5 ગ્રામ/લિટર) બ્રુન્ડરિયમ વિલ્ડ: કાર્બેન્ડાઝીમ (1 ગ્રામ/લિટર) સાથે ભીંજવો ફળમાખી: ડેનેમોન ફાસોનો ઉપયોગ કરો. 3લ્ટર મિથિન 1 મિલી/લિટર ખેતરમાં રોગ નિયંત્રણ અને નિયંત્રણ માટે વધુ માહિતી માટે, કૃપા કરીને સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીઓનો સંપર્ક કરો.
13	લણણી	ઇનો 40-45 DAS માં લણણી માટે તૈયાર થાય છે. કાકડીઓ ઘણીવાર 15-20cm લાંબી થીય ત્યારે કાપવામાં આવે છે અને તે સ્થાનિક બજારની ચોક્કસ પસંદગી પર પણ આધાર રાખે છે. દર 3 દિવસે એકવાર શ્રેમળ ફળો કાપો.
14	અપેક્ષિત ઉપજ	આદર્શ પરિસ્થિતિઓમાં સારી રીતે સંચાલિત પાકથી 8-10 ટન/એકર ઉપજ મળે છે.
17	સંગ્રહ	
18	ના કરો	સલ્ફર આધારિત રસાયણોનો ઉપયોગ કરશો નહીં.
19	શું કરવું	
નોંધ	ઉપરોક્ત માહિતી એક સામાન્ય સલાહ છે. ચોક્કસ પ્રદેશ સંબંધિત ચોક્કસ ભલામણો માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક રાજ્ય કૃષિ વિભાગનો સંપર્ક કરો.	
સાવચેતીનાં પગલાં	પાકની વૃદ્ધિ અને ઉપજ વિવિધ પરિબલોથી પ્રભાવિત થઈ શકે છે. તેથી, સલાહ માટે તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીનો સંપર્ક કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ખાતરી કરો કે ફક્ત ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ખાતરો અને જનુનાશકોનો ઉપયોગ થાય છે. બીજ, ખાતર અને જનુનાશકોની ખરીદીના બિલ સાચવી રાખો.	

काकडी - पीक व्यवस्थापन पद्धती

अभिनेदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील सर्वोत्तम काकडी वियाण्यांपैकी एक वियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे काकडीचे वियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे वियाणे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे वियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच वियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या काकडीच्या वियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात. उच्च उतपादन मिळविण्यासाठी कृष्या सर्वोत्तम शैती पद्धतीचा अवलंब करा. खादी सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

काकडी हायब्रीड	हनी	हिरल, हाइब्रिड. टीना, हाइब्रिड. उत्तम, टीना	हनी, हाइब्रिड. क्षितिजिल	हाइब्रिड. सुहानी, शमा, श्वेता	सीसू-२३, हाइब्रिड. एसपीएस-९१२११, संख्या प्लस	हाइब्रिड. टीना, रिया, शमा	एपी, गरिमा (एफ१), हाइब्रिड. पूनम						
कालावधी	80-90 दिवसांनंतर	80-90 दिवसांनंतर	80-90 दिवसांनंतर	80-90 दिवसांनंतर	80-90 दिवसांनंतर	80-90 दिवसांनंतर	80-90 दिवसांनंतर						
खरीप	होय	होय	होय	होय	होय	होय	होय						
रब्बी	होय	होय	होय	होय	होय	होय	होय						
वसंत ऋतू	होय	होय	होय	होय	होय	होय	होय						
सिंचनाचा स्रोत	बोअरवेल	बोअरवेल	बोअरवेल	बोअरवेल	बोअरवेल	बोअरवेल	बोअरवेल						

कृष्या नोंद च्या की, हवामानाच्या परिवर्तितोत्तार पिकाची वाढ आणि परिपक्वता वेगवेगळी असू शकते.

अनु. क्र.	तपशील/कामकाज/प्रत्यक्ष कृती	कार्येचे तपशील. प्रति एकर उत्पादन
1	क्षेत्राची योग्यता/ कृषी-हवामान क्षेत्र	काकडी हे उष्णत हवामानात येणारे आणि कडक थंडीला प्रतिशूल असणारे पीक आहे. सर्वात अनुकूल तापमान 18-24° सेल्सिअस असते आणि 30° सेल्सिअसपेक्षा जास्त असल्यास फुलांचे उत्पादन कमी होते. तापमानापेक्षा, प्रकाशाची तीव्रता आणि दिवसाचे प्रहर या घटकांमुळे जास्त विकसनावर परिणाम होतो.
2	जमीन/ माती	सांगत्या विन्यासह सेंद्रिय पदार्थनी समृद्ध असलेले बालुकायम विक्रामाती आवश्यक आहे आणि आदर्श सामू (pH) 6.0-7.0 आहे
3	हंगाम, पेरणी/लागवडीचा वेळ	दक्षिण आणि मध्य भारतात ऑक्टोबर-नोव्हेंबर. उत्तर भारतात फेब्रुवारी-जून.
4	वियाण्याचा दर/एकर	संकरित जातींसाठी सुमारे 250-300 ग्रॅम/एकर.
4	पेरणी/लागवड पद्धत	कालवा पद्धत/ पाटामधून.
5	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड	जमिनीमध्ये 10 टन कुजलेले शेंगाखत टाका आणि ते मिसळण्यासाठी नंतर विखरून टाका. पेरणीसाठी पाट तयार करा * पेरणीच्या कालव्यांमध्ये खतांचा मूलभूत डोस द्या आणि सगळीकडे खत नीट पसरुदे. * पेरणीपूर्वी दोन दिवस आधी शेताला पाणी द्या. * प्रत्येक मरीचक दोन विया टोचा, लवकर आणि चांगले अंकर फुटायला लगेच थोडे पाणी द्या
6	अंतर	प्रत्येक वाफ्यामध्ये (कालवा) 180-200 सेमी; प्रत्येक रोपांमध्ये: 45 सेमी जमिनीवर. मरीमधील अंतर 3-4 फूट आणि पाटावरील पिकावरील रोपांमध्ये 45 सेमी.
7	पेरणीपूर्वी वियाणांवर प्रक्रिया	वियाण्यावर गौचो (इमिडो) 2 मिली/किलो या प्रमाणात प्रक्रिया केली जाते. म्हणून, पेरणीपूर्वी वियाणे भिजवू नका.
8	सेंद्रिय पदार्थ आणि खते/ एकर	* मूळ डोस आणि पीक पेरणीचा टप्पा: 30:30:30 किलो एनपीके * पेरणीनंतर 20- 30 दिवसांनी पहिले टॉप ड्रेसिंग: 15 किलो नत्र (कांदा फुटण्याची अवस्था) * पहिल्या वेचणीनंतर दुसरे टॉप ड्रेसिंग 45-60 दिवसांनी : 15 किलो नत्र एकूण 60:30:30 किलो एनपीके/एकर
9	पेरणीपूर्वी वियाणे प्रक्रिया	मातीच्या प्रकारानुसार शेताला पाणी द्या. 5-6 दिवसांच्या अंतराने एकदा थोडे आणि सतत पाणी देण्याची शिफारस केली जाते. फुले मितांना आणि फळधारणेच्या अवस्थेत मुळांच्या भागात पुरेसा ओलावा असल्याची खात्री करा.
10	खुरपणी/ आंतरमशागत	3-4 वेळा हाताने खुरपणी करणे आवश्यक आहे. शेत तणमुक्त ठेवा. पेरणीनंतर 30 आणि 60 दिवसांनी माती भरणे.
11	सूक्ष्म पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या	फळधारणेच्या काळात मल्टीप्लेक्समध्ये 1 ग्रॅम/लिटर आणि फुलोऱ्याच्या काळात सूक्ष्म पोषक घटकांचे मिश्रण 1 ग्रॅम/लिटर फवारणी करावी.
12	कीटक आणि रोग नियंत्रण	भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% WG (0.5 प्रति लिटर 0.5 ते 1 ग्रॅम) तंतू-भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% भा.आ. 0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) पाने खाणारी आळी: अवामेक्टिन 1.8% EC (0.5 ते 1 मिली/लिटर), तांबडा भुंगेरा: डेल्टामेथ्रिन 5.56% SC भा/आ (0.5 मिली/लिटर) फुलकिडे/मावा: फ्लोन्किमिड 50% भा/आ (0.5 ग्रॅम/लिटर) मर रोग: कार्बेन्डाझिम (1 ग्रॅम/लिटर) सह ओंबवा फळमाशी: फेरोमोन सापळे वापरा. डेल्टा मिथ्रिन 1 मिली/लिटर शेतातील रोग नियंत्रण आणि नियंत्रणाबाबत अधिक माहितीसाठी, कृष्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घ्या.
13	कापणी	40-45 दिवसांत फळे काढणीसाठी तयार होतात. बहुतेकदा 15-20 सेमी एवढी लांबीची काकडी झाल्यावर कापणी वेळी केली जाते आणि स्थानिक बाजारपेठेच्या विशिष्ट परसंतीवर देखील अवलंबून असते. दर 3 दिवसांनी एकदा कोबळ्या फळांची कापणी करा.
14	अपेक्षित उत्पन्न	आदर्श परिस्थितीत चांगल्या प्रकारे व्यवस्थापित केलेल्या पिकांमध्ये एकरी 8-10 टन उत्पादन मिळते.
17	साठवणूक	
18	करू नका	
19	करा	संस्कारयुक्त रसायनांचा वापर करू नका.

नोंद नवीन माहिती मधून सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशांशी संबंधित विशिष्ट शिफारसीसाठी कृष्या तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.

घेण्याची काळजी पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात आहेत याची खात्री करा. वियाणे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी करताना बिल वाळवा.

ಸೌತಿಯು - ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳು

ಅಭಿವೃದ್ಧಿಯಲ್ಲಿ ಸಿಪ್ಪೆ ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮವಾದ ಸೌತಿಯು ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಆರಿಸಿಕೊಂಡಿದ್ದೀರಿ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಸೌತಿಯು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುತ್ತದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ದೃಢವಾದ ಅನುಭವವನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಕಾಲೋದರವನ್ನು ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಗಳುವು ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಗೃಹೀತ ಕಂಪ್ಯೂಟರ್‌ಗಳನ್ನು ಆಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಸೌತಿಯು ಬೀಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೆದೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಜೈವಿಕವನ್ನು ನೀಡುತ್ತವೆ, ಜೊತೆಗೆ ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳನ್ನು ತಡೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಸಾಮರ್ಥ್ಯವನ್ನು ಹೊಂದಿರುತ್ತವೆ.

ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗಳುವು ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಆಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗೆ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಸೌತಿಯು	ಹಣಿ	ಸಿರಲ್, ಹೈಬ್ರಿಡ್, ಟಿಟಾ, ಹೈಬ್ರಿಡ್, ಉತ್ತಮ, ಟಿಟಾ	ಹಣಿ, ಹೈಬ್ರಿಡ್, ಡ್ಯೂಲ್	ಹೈಬ್ರಿಡ್, ಸುಪಾನಿ, ಶಮಾ, ಶ್ರೀಕಾ	ಸಿಯು-೨೩, ಹೈಬ್ರಿಡ್, ಎಸ್‌ಎಮ್-೯೦,೨೦೦, ಸಂಧ್ಯಾ ಪೂರ್	ಹೈಬ್ರಿಡ್, ಟಿಟಾ, ರಿಯಾ, ಶಾಮ್	ಎಮ್, ಗಿರಿಮಾ (ಎಫ್೦), ಹೈಬ್ರಿಡ್, ಪೂರ್ವ						
ಅವಧಿ	80-90 ದಿನಗಳು	80-90 ದಿನಗಳು	80-90 ದಿನಗಳು	80-90 ದಿನಗಳು	80-90 ದಿನಗಳು	80-90 ದಿನಗಳು	80-90 ದಿನಗಳು						
ಮುಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು						
ಬೀಜಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು						
ಪಸತ್	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು						
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್						

ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ: ಕನಿಷ್ಠಾಂತರ ಪರಿಮಾಣಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪೋಷಕ ವಿಧವಾಗಿಯೂ ಬಹುಮುಖ್ಯವಾಗಿರುತ್ತವೆ.

ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ	ವಿವರಗಳು / ಕಾಯಂಗಳಿಗಾಗಿ/ ಪದ್ಧತಿ	ಕಾಯಂಗಳಿಗಾಗಿ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರಿಗೆ ಒಳಪಟ್ಟ
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿ ಮತ್ತು	ಸೌತಿಯು ಉಷ್ಣವನ್ನು ಮತ್ತು ಹಿಮಕೃಷಿ ಸುಲಭವಾಗಿ ಹಾನಿಗೊಳಗಾಗುವ ಬೆಳೆ. ಅತ್ಯಂತ ಸೂಕ್ತವಾದ ತಾಪಮಾನವು 18-24°C ಆಗಿದ್ದು, 30°C ಗಿಂತ ಹೆಚ್ಚಿನ ತಾಪಮಾನದಲ್ಲಿ ಹಣ್ಣು ಹೂವುಗಳ ಉತ್ಪಾದನೆಯು ಕಡಿಮೆಯಾಗುತ್ತದೆ. ಬೆಳೆಗೆ ತಿನ್ನತಕ್ಕ ಮತ್ತು ಹಗಲಿನ ಉದ್ದವು ತಾಪಮಾನಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಹೂವು ಅರಳುವುದರ ಮೇಲೆ ಪ್ರಭಾವ ಬೀರುತ್ತದೆ.
2	ಭೂಮಿ/ ಮಣ್ಣು	ಸಾವಯವ ಪದಾರ್ಥಗಳಿಂದ ಸಮೃದ್ಧವಾಗಿರುವ ಮರಳು ಮಿಶ್ರಿತ ಕಪ್ಪು ಮಣ್ಣು ಉತ್ತಮ ಒಳಚರಂಡಿಯೊಂದಿಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಮತ್ತು ಸೂಕ್ತ pH 6.0-7.0 ಆಗಿದೆ
3	ಗುರು, ಬಿತ್ತನೆ/ಗಾಳಿ ಮಾತುಕ ಸಮಯ	ದಕ್ಷಿಣ ಮತ್ತು ಮಧ್ಯ ಭಾರತದಲ್ಲಿ, ಅಕ್ಟೋಬರ್-ನವೆಂಬರ್. ಉತ್ತರ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಫೆಬ್ರವರಿ-ಜೂನ್.
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ/ ಎಕರಿಗೆ	ಹೈಬ್ರಿಡ್‌ಗಳಿಗೆ ಎಕರಿಗೆ ಸುಮಾರು 250-300 ಗ್ರಾಂ.
5	ಬಿತ್ತನೆ/ಗಾಳಿ ಮಾತುಕ ವಿಧಾನ	ಸಾಲಿನ ವಿಧಾನ / ಕಬ್ಬಿ ಬೀಜದ ವಿಧಾನದ ಮೂಲಕ.
6	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ಗಾಳಿ	10 ಟನ್ FYM ಪಾಕಿ, ನಂತರ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಮಿಶ್ರಣ ಮಾಡಲು ಹ್ಯಾಂಡ್ ಒಳಿಸಿ. ಬಿತ್ತನೆ ಕಾಲವನ್ನು ರೂಪಿಸಿ. ಬಿತ್ತನೆ ಕಾಲವನ್ನು ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣದ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ ಮತ್ತು ರಾಸಾಯನಿಕವನ್ನು ಮುಖ್ಯ ಬಿತ್ತನೆಯ ಎರಡು ದಿನ ಮೊದಲು ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀಡುವ ಮಾರ್ಗ. ಪ್ರತಿ ಗುಂಡಿಗೆ ಎರಡು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಒಂದಿ, ಶಿಷ್ಟ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಗಾಗಿ ತಕ್ಷಣ ಹಗುರವಾಗಿ ನೀರು ಹಾಯಿಸಿ.
7	ಅಂತರ	ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ (ಕಾಲದ ವಿಧಾನ): 180-200 ಸೆ.ಮೀ; ಗಡಿಯಿಂದ ಗಿಡಕ್ಕೆ: 45 ಸೆ.ಮೀ, ನೆಲದಲ್ಲಿ. ಕಬ್ಬಿ ಒಂದಿ ಬೆಳೆದ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ, ಸಾಲಿನ ನಡುವೆ 3-4 ಅಡಿ ಮತ್ತು ಗಿಡಗಳ ನಡುವೆ 45 ಸೆ.ಮೀ.
8	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಬೀಜಗಳಿಗೆ ಗೋಳಿ (ಗಮೀನೀ) 2 ಮಿ.ಲಿ./ಕೆ.ಜಿ. ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಉಪಯೋಗ ಮಾಡಲಾಗಿದೆ. ಆದ್ದರಿಂದ, ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜವನ್ನು ನೆನಪಿಸಿ.
9	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಾಸಾಯನಿಕಗಳ/ ಎಕರಿ	ಬೀಜ ಬಿತ್ತನೆ ಮತ್ತು ಬೆಳೆ ಸ್ಥಾಪನೆಯ ಹಂತದಲ್ಲಿ : 30:30:30 ಕೆ.ಜಿ NPK ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಿದ 20-30 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮೊದಲ ಮೆಲೂನಿಗೊಬ್ಬರ: 15 ಕೆ.ಜಿ N (ಕೊಬ್ಬರ ಬಿಡುವ ಹಂತ) ಮೊದಲ ಕೊಯ್ಲಿನ ನಂತರ (45-60 ದಿನಗಳ ನಂತರ) ಎರಡನೇ ಮೆಲೂನಿಗೊಬ್ಬರ: 15 ಕೆ.ಜಿ N ಒಟ್ಟು ಪ್ರಮಾಣ: ಪ್ರತಿ ಎಕರಿಗೆ 60:30:30 ಕೆ.ಜಿ NPK
10	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಮಣ್ಣಿನ ವಿಧವನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ಜಮೀನಿಗೆ ನೀಡುವ ಮಾರ್ಗ. ಪ್ರತಿ 5-6 ದಿನಗಳ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಕಡಿಮೆ ಪ್ರಮಾಣದ, ಆದರೆ ಆಗಾಗ, ನೀರಾವರಿಯ ನೀರಾವರಿಯನ್ನು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ. ಸ್ವಲ್ಪ ಬೇರೂರಿನ ವಲಯದಲ್ಲಿ, ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಹೂ ಬಿಡುವ ಮತ್ತು ಹಣ್ಣು ಬಿಡುವ ಹಂತಗಳಲ್ಲಿ, ಸಾಕಷ್ಟು ತೇವಾಂಶವನ್ನು ವಿಚಿತ್ರವಾಗಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.
11	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು/ ಅಂತರ ಬೇಳಾವು	3-4 ಬಾರಿ ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು ಆಗುತ್ತದೆ. ಹೊಲಗಳನ್ನು ಕಳೆ ರೂಪಿಸಿ, ಬಿತ್ತನೆಯ 30 ಮತ್ತು 60 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮಣ್ಣು ಹಾಕುವುದು.
12	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳೆವಣಿಗೆ ನಿರಂತರತೆ ನಿರಂತರತೆಗಳು	ಹಣ್ಣು ಬಿಡುವ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಮಲ್ಟಿಪೋಷ್, 1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್ ಮತ್ತು ಹೂ ಬಿಡುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶದ ಮಿಶ್ರಣವನ್ನು 1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ನೀಡಬೇಕು.
13	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿರಂತರತೆ	ಬಂದಿ ರೋಗ ರೋಗಿ: ಟಿಟಾಕೋನೋಲ್ 50% + ಟ್ರಿಫಾಕ್ಸಿಮೆಟೋಲಿನ್ 25% ಒಟ್ಟು (0.5 ಲೀಟರ್ / ಲೀಟರ್) ಪೌನಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: ಟಿಟಾಕೋನೋಲ್ 50% + ಟ್ರಿಫಾಕ್ಸಿಮೆಟೋಲಿನ್ 25% WG (0.5 ಲೀಟರ್ / ಲೀಟರ್) ವಿಲೆ ತಿನ್ನುವ ಕೀಟ: ಅಮಾತ್ಸಿನ್ 1.8% EC (0.5 ಲೀಟರ್ / ಲೀಟರ್) ಕಂಪು ಕುಳಿಗಳನ್ನು ಜೀವಿಸಿ: ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥಿನ್ 5.56% w/w SC (0.5 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್) ಫಿಫ್/ಗಿಡವನ್ನುಗಳು: ಫೋಸ್ಫಿಮಿನ್ 50% WG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಪ್ರಾಸಿರಿಯಮ್ ಟಾಟಾಕೋನೋಲ್ (1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ನೋಡಿಗಿ ನೆನಿಸಿ ಪೋಷಕ ನೀರು: ಫೋಸ್ಫೋನ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಒಳಿಸಿ, ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥಿನ್ 1 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್ ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿರಂತರತೆಗಾಗಿ ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಗಳೊಂದಿಗೆ ಸಮಾಲೋಚಿಸಿ.
14	ಕೊಯ್ಲು	ಹಣ್ಣುಗಳು ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಿದ 40-45 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಕೊಯ್ಲುಗೆ ಸಿದ್ಧವಾಗುತ್ತವೆ. ಸೌತಿಯುಗಳನ್ನು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ 15-20 ಸೆ.ಮೀ, ಉದ್ದವಿರುವಾಗ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ ಮತ್ತು ಇದು ಸ್ಥಳೀಯ ಮಾರುಕಟ್ಟೆಯ ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಅಧಿಕಾರಿ ಮೇಲೂ ಅನುಮತಿಯನ್ನು ಪಡೆದು, 3 ದಿನಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ಎಳೆ ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಕೊಯ್ಲು.
15	ನಿರಂತರತೆ ಗಳುವು	ಆದರ್ಶ ಪದ್ಧತಿಗಳಲ್ಲಿ, ಉತ್ತಮವಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿಸಲಾದ ಬೆಳೆಯುವ ಎಕರಿಗೆ 8-10 ಟನ್/ಎಕರಿ ಗಳುವು ಬರುತ್ತದೆ.
16	ಶೇಖರಣೆ	
17	ಮಾಡಬೇಡಿ	ಸಲ್ಫರ್ ಅಧಿಕಾರಿ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಬಳಸಬೇಡಿ.
18	ಮಾಡಬೇಕಾದದ್ದು	

ಸೂಚನೆ ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.

ವಿವರಣೆ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳೆವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಗಳುವು ಮತ್ತು ಅಂತರದ ಪ್ರಭಾವವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ವಿಚಿತ್ರವಾಗಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಾಸಾಯನಿಕಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ವಿವರವನ್ನು ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.

దోసలో - పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజీ

సాబాకొండ్లు! క్రిస్టల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన దోస విత్తనాలే ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన దోస విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిస్టల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమునే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిస్టల్ అత్యాధునిక ఔక్సాలజేలను పాటిస్తుంది. క్రిస్టల్ దోస విత్తనాలు బయోటిక్ & ఎబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్థ్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్వాలను & మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి. అద్భుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాటించండి. క్రింద నాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.

వైబ్రిడ్ దోస	హన	హిరల్, ఉత్తమ, టీనా	హన, ఝిల్మిల్	సుహన, పసు, క్యేతా	CU-23, SPS-91211, సంధ్యా స్టన్	టీనా, రియా	ఏమి, పూనమ్						
కాలము పరిమితి	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS						
ఖరీఫ్	అవును	అవును	అవును	అవును	అవును	అవును	అవును						
రబీ	అవును	అవును	అవును	అవును	అవును	అవును	అవును						
వసంత కాలము	అవును	అవును	అవును	అవును	అవును	అవును	అవును						
నీటి పారుదల	బోర్ బావి	బోర్ బావి	బోర్ బావి	బోర్ బావి	బోర్ బావి	బోర్ బావి	బోర్ బావి						

దయచేసి గమనించండి వాతావరణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పకవ్వము కాలము మారవచ్చు

క్ర. సం.	వివరాలు/ఆవరణ/ఆచరణలు	ఆవరణ వివరాలు. ఎకరానికి ఇస్తుండే
1	ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత. వ్యవసాయ వాతావరణ జోన్	దోస అన్ని రకాల ఉష్ణోగ్రతలను తట్టుకునేది మరియు మంచుకి సన్నెబుల్ల పంట. అత్యంత అనుకూలమైన ఉష్ణోగ్రత 18-24° C మరియు 30° C వైన ఆడ పువ్వు ఉత్పత్తి తగ్గుతుంది. ఉష్ణోగ్రత కన్నా ఆర్బెసిస్ మీద వెలుతురు తీవ్రత మరియు రోజు పొడవు ఎక్కువ ప్రభావము చూపుతుంది.
2	భూమి/మట్టి	ఇసుక లోమ్ సెండ్రీయ తత్వాలలో పుష్కలముగా వుండే మంచిగా నిరు ఇంకెడి అవసరము మరియు సరైన pH 6.0-7.0 వుండాలి
3	సీజన్, విత్త/నాశు సమయము	దక్షిణ మరియు సెంట్రల్ భారతదేశములో ఆగ్రిబర్-నవంబర్ లో. ఉత్తర భారతదేశములో ఫిబ్రవరి-జూన్.
4	ఎకరానికి/విత్తనము రేట్	వైబ్రిడ్ కోరకు ఎకరానికి/ 250-300 (గ్రాములు దాదాపుగా కావాలి).
4	విత్త/నాశు పద్ధతి	కలువ పద్ధతి/స్పెకింగ్ పద్ధతి ద్వారా.
5	ప్రధానమైన పొలముని తయారు చేయడము మరియు నాటడము	డికంపోజ్ చేసిన వస్త్రాన్ని 10 టన్నుల అపై చేయండి తరవాత దుక్కు దున్నడము ద్వారా అది మట్టిలో కలుస్తుంది. *నాశు కాలువలను ఏర్పాటు చేయండి *నాశు కాలువల్లో ఫర్టిలైజర్ల బేసల్ డోస్ అపై చేయండి మరియు ఫర్టిలైజరుని కవర్ చేయండి *విత్తడానికి రెండు రోజుల ముందు పొలముకి నీటిని పెట్టండి. *గుంటకి రెండు విత్తనాలు పెట్టండి, త్వరగా మరియు మెరుగగా మొలకెత్తడము కోసం వెంటనే తేలికగా నీటిని పెట్టండి
6	ఖాళీ ఇవ్వడము	రో నుంచి రో (కాలువ) 180-200 cm; మొక్క నుంచి మొక్క: 45cm గ్రాండ్. స్పేక్ చేసిన పంటకి గట్టుకి 3-4 అడుగుల దూరము మొక్కల మధ్య దూరము 45 cm వుండాలి.
7	విత్త ముందు విత్తనముని శుద్ధి చేయడము	విత్తనముని గోడ (ఇమిడి) 2 ml/కిలో తో శుద్ధి చేయండి. కాబట్టి, నాశు ముందు విత్తనముని నానబెట్టండి.
8	ఎకరానికి/ఎరువులు మరియు ఫర్టిలైజర్లు	*బేసల్ డోస్ & పంట నిలబడే దశ: 30:30:30 కిలో NPK *మొదటి టాప్ డ్రెస్సింగ్ నాటికి 20-30 రోజుల తరవాత: 15 కిలోల N (కొమ్మలు వచ్చే దశ) *రెండవ టాప్ డ్రెస్సింగ్ మొదటి పీక్ అవ్ తరవాత 45-60 డిఎస్ (DAS) కి: 15 కిలోల N మొత్తము 60:30:30 కిలోల NPK/ ఎకరానికి
9	నీటి పారుదల పెద్దాల్లో	మట్టి రకముని బట్టి పొలముకి నీటిని పెట్టండి. 5-6 రోజులకి ఒకసారి తేలికగా మరియు తరచూ నీటిని పెట్టాలని సూచించడము జరిగినది. పూలు పూసే & పళ్ళు ఏర్పడే దశలో ముఖ్యముగా వేళ్ళ జోన్ లో సరిపడిన తేమ వుందని ధృవీకరించుకోండి.
10	కలుపు మొక్కలు తీయడము/అంతర్గత కట్టివేపన	3-4 చెత్తతో కలుపు మొక్కలు తొలగించడము అవసరము. పొట్లను కలుపు మొక్కలు లేకుండా వుండండి. విత్తని 30 మరియు 60 రోజుల తరవాత మొక్కల మొదళ్ళలోని మట్టిని ఎత్తు చేయండి.
11	సూక్ష్మజీవకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ స్ప్రేలు	పళ్ళు వచ్చే దశలో మల్టిఫెక్ట్ లీటరు/1గ్రా పూలు వచ్చే దశలో సూక్ష్మజీవకము లీటరు/1గ్రా పీచికారి చేయండి.
12	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	బూడిద తెగులు: ఔముకునజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్విప్రోలిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) డౌనీ బూజు తెగులు: ఔముకునజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్విప్రోలిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) ఆకు తొలుచు పురుగు: అబామెక్సిన్ 1.8% EC (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 ml), ఎర్ర గుమ్మడి పెంకు పురుగు: డెల్టామెథ్రిన్ 5.56 % w/w 5C (లీటరు/0.5 ml) తామర పురుగు/పెను బంక: స్టోనికామిడ్ 50 % WG (లీటరు/0.5 ml) ప్రజారియమ్ ఎండు తెగులు: కార్బొండాజిమ్ తో డ్రెంట్ చేయండి (లీటరు/1 గ్రా) పండు ఈగ: ఫెరమోస్ ట్రాఫ్ఫును ఉపయోగించండి. డెల్టా మిథ్రిన్ లీటరు/1ml పొలములో తెగులు & చీడల కంట్రోల్ మీద అదనపు సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ స్థానిక వ్యవసాయ ఆఫీసర్ ను సంప్రదించండి.
13	కోత	పళ్ళు 40-45 DAS కి కోత సిద్ధముగా వుంటాయి. దోసను 15-20cm పొడవు వున్నప్పుడు తరచూ కోత కొస్తారు మరియు స్థానిక మార్కెట్లోని ప్రీఫెరిన్సుల మీద కూడా ఇది ఆధారపడుతుంది. 3 రోజులకి ఒకసారి లేత పళ్ళును కోయండి.
14	ఆశించే దిగుబడి	సరైన పరిస్థితులలో బాగా మేనేజ్ చేసిన పంట 8-10 టన్నుల/ఎకరానికి దిగుబడి ఇస్తుంది.
17	స్టోర్ చేయడము	
18	చేయకూడనివి	సల్ఫర్ ఆధారిత రసాయనాలు ఉపయోగించకండి.
19	చేయవలసినవి	
గమనిక	పైన చెప్పబడిన సమాచారము నాధారణ సలహాలు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ స్థానిక స్థానిక వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి.	
జాగ్రత్తలు	పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వద్ద వుంచుకోండి.	

வெள்ளிக்காய் பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

வாழ்த்துக்கள் கிரிஸ்டல் குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த வெள்ளிக்காய் விதைகளில் ஒன்றை தேர்வு செய்துள்ளீர்கள் உயர் தர வெள்ளிக்காய் விதைகள் தயாரிப்பில் கிரிஸ்டல் நிறுவனம் மிகச் சிறந்த அனுபவம் கொண்டது. இந்த விதைகள் பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருத்தம் வகையில், அதிக மக்தல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் வெள்ளிக்காய் விதைகள் உயிரி சார் & உயிரி சாரா தழுவல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை. மிகச் சிறந்த மக்தலைப் பெற சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள் பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது எனவே ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

கலப்பு வெள்ளிக்காய்	ஹனி	ஹிரல், Hyb. டிரா, Hyb. உத்தம், டிரா	ஹனி, Hyb. இலமில்	Hyb. க்ரானி, ஹமா, ஸ்வேதா	CU-23, Hyb. SPS-91211, சத்தியா மிளல்	Hyb. டிரா, ரியா, ஹமா	எம். கிரிமா (F1), Hyb. பூனம்				
காலம்	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS				
கார்ப்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்				
ராபி	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்				
வசத்த காலம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்				
பாசன ஆதாரம்	போர்வெல்	போர்வெல்	போர்வெல்	போர்வெல்	போர்வெல்	போர்வெல்	போர்வெல்				

வானிலை தழுவல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி & முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்

வ.எண்.	விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் / செய்முறை	செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு
1	பொருத்துகின்ற பரப்பளவு விவசாய காலநிலை மண்டலம்	வெள்ளிக்காய் உயர் வெப்பம் மற்றும் உறைபனியைத் தாங்கும் பயிர் ஆகும். மிகவும் சாதகமான வெப்பநிலை 18-24 C மற்றும் 30 C க்கு மேல் பெண் பூ உற்பத்தியானது குறைகிறது. வெப்பநிலையை விட சூரிய ஒளியின் தீவிரம் மற்றும் நாளின் நீளம் பூ வளப்பதில் தாக்கத்தை ஏற்படுத்துகிறது.
2	நிலம்/ மண்	நீர் தேங்காத மணற்பாங்கான பசணை மண் நிறைந்த கரிம பொருள் மிகவும் முக்கியம் மற்றும் சாதகமான pH 6.0-7.0
3	பருவம், விதைக்கும்நடவு செய்யும் நேரம்	தெற்கு மற்றும் மத்திய இந்தியாவில் அக்டோபர்-நவம்பர் வரை. வட இந்தியாவில் பிப்ரவரி-ஜூன்.
4	விதை விதம்/ ஏக்கர்	கலப்பு தாவரங்களுக்கு ஏக்கருக்கு 250-300 கிராம் போட வேண்டும்.
4	விதைத்தல்நடுத்தல் முறை	கால்வாய் முறை/அடுக்கு முறை
5	பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடவுதற்கான தயாரிப்பு	10 டன்கள் சிதைந்த தொழு உரம் (FYM) உரத்தை போட்டு அவை மண்ணில் கலக்க நிலத்தை நன்றாக பண்படுத்துங்கள். * விதைப்பு கால்வாய்களை உருவாக்குங்கள் * விதைப்பு கால்வாய்களில் உரங்களின் அடி அளவை போட்டு உரத்தை மூடி விடுங்கள் * விதைப்பிற்கு இரண்டு நாட்கள் முன் நிலத்தில் நீர் பாசிக்கங்கள். * ஒரு மேட்டுக்கு இரண்டு விதையை ஊன்ற வேண்டும், விரைவான மற்றும் சிறந்த முளைத்தலுக்கு உடனடியாக லோசாக நீர் பாசீச வேண்டும்.
6	இடைவெளி	வரிசை முதல் வரிசை வரை (கால்வாய்) 180-200 செ.மீ. தாவரம் முதல் தாவரம் வரை. நிலத்தில் இருந்து 45 செ.மீ மணல் மேடுகளுக்கு இடையில் 3-4 அடி அடுக்கப்பட்ட பயிர் மீதுள்ள தாவரங்களுக்கு இடையில் 45 செ.மீ இருக்க வேண்டும்.
7	விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு	விதையை கிலோவிற்கு 2 மில்லி கெளச்சோ (இமிடோ) உடன் கலக்குங்கள். எனவே, விதைப்பதற்கு முன் விதைகளை நனைக்க வேண்டாம்.
8	ஏக்கர்கள் மற்றும் உரங்கள்/ ஏக்கருக்கு	* அடி உர அளவு & பயிர் நிறுவல் நிலை : 30:30:30 கிலோ என்டிகே (NPK) * முதல் மேல் உரமிடுதல் விதைத்த 20-30 நாட்கள் கழித்து: 15 கிலோ N (கிளை வைக்கும் நிலை) இரண்டாம் மேல் உரமிடல் முதல் உரமிடல் செய்த 45-60 DAS கழித்து : 15 கிலோ N மொத்தம் ஏக்கருக்கு 60:30:30 கிலோ என்டிகே (NPK)
9	பாசன அட்டவணை	மண் வகையைப் பொறுத்து நிலத்தில் பாசனம் செய்யுங்கள். 5-6 நாட்கள் இடைவெளியில் லோசான மற்றும் அடிக்கடி பாசனம் செய்வது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. குறிப்பாக, பூ & பழம் வைக்கும் நிலையில் வேர் பகுதியில் போதுமான ஈரப்பதம் இருப்பதை உறுதி செய்யுங்கள்.
10	களை அகற்றுதல்/ ஊடு பயிரிடுதல்	3-4 முறை கைபால் களைகளை நீக்குவது தேவைப்படுகிறது. நிலத்தில் களைகள் இல்லாமல் வைத்திடுங்கள். விதைத்த 30 மற்றும் 60 நாட்களுக்குப் பிறகு மண்ணைக் குவித்திடுங்கள்.
11	நுண் ஊட்டச்சத்து/வளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும் தெளிப்புகள்	காய் வைக்கும் நிலையில் லிட்டருக்கு 1 கிராம் மல்டிபிளக்ஸை தெளியுங்கள் & பூ வைக்கும் நிலையில் லிட்டருக்கு 1 கிராம் நுண்ணூட்டத்தை கலத்திடுங்கள்.
12	பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு	சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டிபிளயூஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) அடிச்சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டிபிளயூஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) இலை துளைப்பான்: அபாமெக்டின் 1.8% இசி (EC) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 மில்லி), சிவப்பு பூசணி வண்டு: டெல்டாமெத்ரின் 5.56% ww எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மில்லி) இலைப்பேன்கள் / செடியுபன்கள் : ஃபுளோனிகாமிட் 50% WG (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) பியூசேரியம் வாடல் நோய்: கார்பன்டாசிம்-இல் முக்கி எடுங்கள் (லிட்டருக்கு 1 கிராம்) பழ ஈ: பரோமோன் டிராப்களைப் பயன்படுத்துங்கள். டெல்டா மெத்ரின் லிட்டருக்கு 1 மில்லி நிலத்தில் பூச்சிகள் & நோய் தடுப்பு பற்றி மேலும் அறிய, உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலர்களுடன் ஆலோசியுங்கள்.
13	அறுவடை	காய்கள் 40-45 DAS-ல் அறுவடைக்குத் தயாராகிவிடும். பொதுவாக, 15-20 செ.மீ இருத்தல் மற்றும் உள்ளூர் சந்தையின் தனிப்பட்ட விருப்பம் சார்ந்து மட்டுமே வெள்ளிக்காய் அறுவடை செய்யப்படும். 3 நாட்களுக்கு ஒருமுறை சதைப்பற்றுள்ள பழங்களை அறுவடை செய்யுங்கள்.
14	எதிர்பார்க்கப்படும் மக்தல்	சாதகமான நிலைகளில், ஒரு நன்கு பராமரிக்கப்பட்ட பயிரில் இருந்து 8-10 டன் மக்தலைத் தருகிறது.
17	சேமிப்பகம்	
18	செய்யக்கூடாதவை	சல்பர் அடிப்படையிலான வேதியியல் பொருட்களைப் பயன்படுத்தக் கூடாது.
19	செய்ய வேண்டியவை	

குறிப்பு மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல் குறிப்பிட்ட பகுதிகளை தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளூர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.

முன்னெச்சரிக்கை பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மக்தல் பாதிக்கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள். விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.

ਖੀਰੇ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦੇ ਤਰੀਕੇ

ਵਾਪਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੀਰੇ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਬੀਜ ਚੁਣਿਆ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਖੀਰੇ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉੱਚ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਦੇ ਖੀਰੇ ਦੇ ਬੀਜ ਉਗਣ ਦੀ ਉੱਚ ਸਮਰੱਥਾ, ਬੂਟਿਆਂ ਦਾ ਮਜ਼ਬੂਤ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਰੋਗ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਚੰਗੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਮੁੱਖ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਖੀਰਾ	ਹਨੀ' ਹਨੀ	ਹਿਰਲ' ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ . ਟੀਨਾ' ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ . ਉਕੁਰਮ' ਟੀਨਾ	ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ . ਚਿਠਮਿਲ	ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ . ਸੁਹਾਨੀ' ਸ਼ਾਮਾ' ਕ੍ਰੋੜਾ	ਸੀਯੂ-੨ਬ' ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ . ਏਸਪੀਏਸ -੯੧੨੧੧' ਸੰਯੁਕਤਾ ਪੁਲਸ	ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ . ਟੀਨਾ' ਰਿਯਾ' ਸ਼ਾਮਾ	ਏਮੀ' ਗਰਿਮਾ (ਏਫ੧੧)' ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ . ਪੁਨਮ					
ਮਿਆਦ	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS					
ਖਰੀਦ	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'					
ਰਬੀ	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'					
ਸਮੀਰਾ	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'	ਰਾ'					
ਸਿੱਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ					

ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪਕਤਾ ਮੌਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	ਕੌਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ
1	ਖੇਤਰ ਲਈ ਅਨੁਕੂਲਤਾ। ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ	ਖੀਰਾ ਗਰਮੀ-ਪ੍ਰੇਮੀ ਅਤੇ ਠੰਡ-ਸਹਿਣਸ਼ੀਲ ਫਸਲ ਹੈ। ਖੀਰੇ ਲਈ 18-24°C ਤਾਪਮਾਨ ਸਭ ਤੋਂ ਵਾਜਬ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਜਦੋਂ ਕਿ 30°C ਤੋਂ ਉੱਪਰ ਮਾਦਾ ਫੁੱਲਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਘੱਟ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਤਾਪਮਾਨ ਨਾਲੋਂ ਰੋਸ਼ਨੀ ਦੀ ਤੀਬਰਤਾ ਅਤੇ ਦਿਨ ਦੀ ਮਿਆਦ ਫੁੱਲਾਂ 'ਤੇ ਵਧੇਰੇ ਪ੍ਰਭਾਵ ਪਾਉਂਦੀ ਹੈ।
2	ਜਮੀਨ/ਮਿੱਟੀ	ਚੰਗੇ ਨਿਕਾਸ ਲਈ ਨੈਵਿਕ ਪਦਾਰਥਾਂ ਨਾਲ ਭਰਪੂਰ ਰੇਤਲੀ ਏਮਟ ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸਦਾ ਆਦਰਸ਼ pH 6.0-7.0 ਹੈ
3	ਮੌਸਮ, ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਆਦਰਸ਼ ਮਿੱਟੀ ਦਾ pH 5.5-6.5 ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਉੱਤਰੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਫਰਵਰੀ-ਜੂਨ।
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ/ਏਕੜ	ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਲਈ ਲਗਭਗ 250-300 ਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ।
4	ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ	ਕਨਾਲ ਵਿਧੀ / ਸਟੈਕਿੰਗ ਵਿਧੀ।
5	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	10 ਟਨ ਸੜੀ ਹੋਈ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ ਪਾਓ ਅਤੇ ਹੱਲ ਚਲਾ ਕੇ ਇਸਨੂੰ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਿਲਾਓ। * ਬੀਜ ਬੀਜਣ ਲਈ ਚੈਨਲ ਬਣਾਓ * ਬਿਜਾਈ ਵਾਲੇ ਚੈਨਲਾਂ ਵਿੱਚ ਖਾਦ ਨੂੰ ਮੁੱਢਲੀ ਖੁਰਾਕ ਵਜੋਂ ਪਾਓ ਅਤੇ ਮਿੱਟੀ ਨਾਲ ਢੱਕ ਦਿਓ। * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਦੋ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੱਚਾਈ ਕਰੋ। * ਪ੍ਰਤੀ ਟਿੱਲਾ ਦੋ ਬੀਜ ਬੀਜੋ, ਜਲਦੀ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਪੁੰਗਰਣ ਲਈ ਤੁਰੰਤ ਹਲਕੀ ਸਿੱਚਾਈ ਕਰੋ।
6	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ	ਕਤਾਰ ਤੋਂ ਕਤਾਰ (ਕਨਾਲ) 180-200 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ; ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬੂਟੇ ਤੱਕ: 45 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਜਮੀਨ। ਖੜੀਆਂ ਫਸਲਾਂ ਵਿੱਚ ਵੱਟਾ ਵਿਚਕਾਰ 3-4 ਫੁੱਟ ਅਤੇ ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ 45 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਦੂਰੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
7	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ	ਬੀਜਾਂ ਨੂੰ ਗੋਏ (ਇਮੀਡੇ) ਨਾਲ 2 ਮਿ.ਲੀ./ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਉਪਚਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਬੀਜਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜਾਂ ਨੂੰ ਗਿੱਲਾ ਨਾ ਕਰੋ।
8	ਨੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ/ਏਕੜ	* ਮੂਲ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਫਸਲ ਸੰਭਾਲਣਾ ਪੜਾਅ: 30:30:30 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ NPK * ਪਹਿਲੀ ਟਾਪ ਡਰੇਜਿੰਗ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 20-30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ: 15 ਕਿਲੋ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ (ਸ਼ਾਖਾਵਾਂ ਦੀ ਅਵਸਥਾ) * ਪਹਿਲੀ ਤੁੜਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੂਜੀ ਟਾਪ ਡਰੇਜਿੰਗ 45-60 DAS: 15 ਕਿਲੋ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ ਕੁੱਲ 60:30:30 ਕਿਲੋ NPK/ਏਕੜ
9	ਸਿੱਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ	ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੱਚਾਈ ਕਰੋ। 5-6 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਇੱਕ ਵਾਰ ਹਲਕੀ ਅਤੇ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਸਿੱਚਾਈ ਕਰਨ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਫੁੱਲ ਆਉਣ ਅਤੇ ਫਲ ਲੱਗਣ ਦੌਰਾਨ ਜੜ੍ਹਾਂ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਲੋੜੀਂਦੀ ਨਮੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।
10	ਖੇਤ ਦੀ ਨਦੀਨ-ਨਾਸ਼ਕੀ/ ਰੁਕ-ਰੁਕ ਕੇ ਵਾਹੀ	ਫਸਲ ਨੂੰ 3-4 ਵਾਰ ਹੌਥਾਂ ਨਾਲ ਵਾਹੁਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਨਦੀਨ ਨਾ ਉਗਣ ਦਿਓ। 30 ਅਤੇ 60 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ, ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਮਿੱਟੀ ਭਰ ਦਿਓ।
11	ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ	ਫਲ ਲੱਗਣ ਸਮੇਂ ਮਲਟੀਪਲੈਕਸ 1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ ਅਤੇ ਫੁੱਲ ਆਉਣ ਸਮੇਂ ਸੂਖਮ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤ 1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ।
12	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ	ਪਾਉਡਰੀ ਫੁੱਫੂੰਦੀ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਮੈਟ੍ਰੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਡਾਊਨੀ ਫੁੱਫੂੰਦੀ ਰੋਗ ਲਈ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਮੈਟ੍ਰੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਪੱਤੇ ਖਾਣ ਵਾਲੇ ਕੀੜਿਆਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਅਬਾਮੋਕਟਿਨ 1.8% EC (0.5-1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਰੈੱਡ ਪੰਪਕਿਨ ਬੀਟਲ ਲਈ: ਫੋਲਟਾਮੋਬਿਨ 5.56% w/w SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਫਿਊਜ਼ੀਰੀਅਮ ਵਿਲਟ ਰੋਗ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ, ਮਿੱਟੀ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਕਾਰਬੋਥਾਜਿਮ (1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਨਾਲ ਕਰੋ ਫਲਾਂ ਦੀ ਮੱਠੀ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਫੋਰੋਮੋਨ ਜਾਲ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ। 1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਫੋਲਟਾਮੋਬਿਨ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਦੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਅਤੇ ਰੋਕਥਾਮ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨਾਲ ਸਲਾਹ-ਮਸ਼ਵਰਾ ਕਰੋ।
13	ਵਾਢੀ	ਫਲ 40-45DAS ਦਿਨ ਵਿੱਚ ਕਟਾਈ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਖੀਰੇ ਅਕਸਰ ਉਦੋਂ ਕੱਟੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਜਦੋਂ ਉਹ ਲਗਭਗ 15-20 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਲੰਬੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ, ਜੋ ਕਿ ਸਥਾਨਕ ਬਾਜ਼ਾਰ ਦੀਆਂ ਖਾਸ ਤਰਜੀਹਾਂ 'ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਤਿੰਨ ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਨਰਮ ਫਲ ਚੁਣੋ।
14	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ	ਸਹੀ ਹਾਲਤ ਵਿੱਚ, ਇੱਕ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਬੰਧਿਤ ਫਸਲ 8-10 ਟਨ/ਏਕੜ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦਿੰਦੀ ਹੈ।
17	ਸਟੋਰੇਜ	
18	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ	ਸਲਫਰ-ਆਧਾਰਤ ਰਸਾਇਣਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨਾ ਕਰੋ।
19	ਕੀ ਕਰੋ	
ਨੋਟ	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।	
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਰੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਢਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।	

শস্য- চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট শস্যর বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের শস্য বীজগুলি উপাদানে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অধিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উপাদানের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের শস্য বীজগুলি জীবজ এবং অজীবীয় প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অণুকরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।

অনুগ্রহ করে চমৎকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলাছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

হাইব্রিড শস্য	হনী	হিরল, হাইব্রিড, চিনা, হাইব্রিড, উত্তম, চীনা	হনী, হাইব্রিড, বিলম্বিত	হাইব্রিড, সুহানী, শমা, শভেতা	সীমু-২৩, হাইব্রিড, এসপিএস-১৯২৯৯, সংখ্যা প্রস	হাইব্রিড, চীনা, রিথা, শামা	এম্বী, গরিয়া (এফ৯), হাইব্রিড, পুনম						
সময়সীমা	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS						
খরিফ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ						
রবি	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ						
বসন্ত	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ						
সেচের উস	বোরওয়েল	বোরওয়েল	বোরওয়েল	বোরওয়েল	বোরওয়েল	বোরওয়েল	বোরওয়েল						

অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে

ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি	প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ
1	এলাকার জন্য উপযুক্ততা। কৃষি জলবায়ু জেন	শস্য উষ্ণত্ব এবং তুষারপাতের জন্য সংবেদনশীল ফসল। সবচেয়ে অনুকূল তাপমাত্রা 18-24° C এবং 30° C এর উপরে স্ত্রী ফুলের উপাদান কমে যায়। আলোকের তীব্রতা এবং দিনের দৈর্ঘ্য তাপমাত্রার চেয়ে ফুল ফোটার সময়কে বেশি প্রভাবিত করে।
2	জমি/ মাটি	ভালো নিষ্কাশনের ব্যবস্থা সহ অর্গানিক পদার্থে সমৃদ্ধ দোআশি মাটি প্রয়োজন এবং আদর্শ pH হল 6.0-7.0
3	খাত, বপন/ রোপণের সময়	দক্ষিণ এবং মধ্য ভারতে অক্টোবর-নভেম্বর। উত্তর ভারতে ফেব্রুয়ারি-জুন।
4	বীজের হার/ একর	হাইব্রিডের জন্য 250-300গ্রাম/একরের কাছাকাছি।
4	বপন/রোপণের পদ্ধতি	নালা পদ্ধতি/ খুঁটির সাহায্যে পদ্ধতি।
5	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	মাটি প্রস্তুতির জন্য 10 টন পচা FYM প্রয়োগ করুন এবং তারপরে হাচারে ব্যবহার করে মাটির সঙ্গে ভালোভাবে মিশিয়ে দিন। * বীজ বপনের জন্য নালা তৈরি করা * বীজ বপনের নালায় বেসাল ডোজ প্রয়োগ করুন এবং সার ঢেকে দিন * বীজ বপনের দুই দিন আগে মাঠে জল দিন। * প্রতি গর্ভে দুইটি বীজ লাগান, তৎক্ষণাৎ দ্রুত এবং ভালো অণুকরোদগমের জন্য হালকা সেচ করুন
6	ফাঁক	সারি থেকে সারি (নালা) 180-200 সেন্টিমিটার; উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ: 45সেন্টিমিটার মাঠ। রিজগুলোর মধ্যে 3-4 ফুট খুঁটির সাহায্যে চাষকৃত ফসলের গাছগুলোর মধ্যে 45 সেমি।
7	বপনের আগে বীজের পরিচর্যা	বীজকে গাউচো (হিমিডো) 2 মিলিলিটার/কেজি দরে প্রস্তুত করা হয়। অতএব, বপনের আগে বীজ ভিজবেন না।
8	জেব এবং রাসায়নিক সার/ একর	* বেসাল ডোজ এবং ফসল স্থাপন পর্যায়: 30:30:30 কেজি NPK * বপনের 20-30 দিন পর প্রথম শীর্ষ ড্রেসিং: 15কেজি N (রোফিং পর্যায়) * 45-60 DAS তে প্রথম তেলার পর দ্বিতীয় শীর্ষ ড্রেসিং: 15 কেজি N মোট 60:30:30 কেজি NPK/একর
9	সেচের সময়সূচী	মাটির ধরন অনুযায়ী ক্ষেতের সেচ করুন। প্রতি 5-6 দিনের অন্তরে একবার হালকা এবং ঘন ঘন সেচ সুপারিশ করা হয়। মূল জেনে পর্যাপ্ত আর্দ্রতা নিশ্চিত করুন বিশেষ করে ফুল এবং ফল ধরার সময়।
10	আগাছ নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা	3-4 হাত আগাছ নিবারণ প্রয়োজন। প্রটগুলি আগাছমুক্ত রাখুন। বপনের 30 এবং 60 দিন পর মাটি তুলুন।
11	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকশ নিয়ন্ত্রক ছিটান	ফল ধরার সময় 1গ্রাম/লিটারে মাল্টিপ্লেক্স ছিটান এবং ফুলের সময় 1গ্রাম/লিটারে মাইক্রোনিউট্রিয়েন্ট মেশানো ব্যবহার করুন।
12	কীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	পাউডার মিলডিউ: টেবুলোজল 50% + ট্রাইফ্লোরোস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) জউনি মিলডিউ: টেবুলোজল 50% + ট্রাইফ্লোরোস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) লিফ মাইনার: আবামেক্সিন 1.8% EC (0.5 থেকে 1 মিলিলিটার/লিটার), লাল কুমড়োর পোকা: ডেন্টামেথ্রিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) থ্রিপ্স :এফিডস: ফ্লোনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটার) ফিউজেরিয়াম উইল্ট: কারবেনডাজিম দিয়ে স্প্রে করুন (1গ্রাম/লিটার) ফলের মাছি: ফেরোমোন ট্র্যাপ ব্যবহার করুন। ডেন্টামেথ্রিন 1মিলিলিটার/লিটার ক্ষেতের রোগ নিয়ন্ত্রণ সম্পর্কে আরও তথ্যের জন্য স্থানীয় কৃষি কর্মকর্তাদের সাথে পরামর্শ করুন।
13	ফসল কাটা	40-45DAS তে ফসল কাটার জন্য ফলগুলি প্রস্তুত। শস্য সাধারণত তখনই কাটা হয় যখন এগুলোর দৈর্ঘ্য প্রায় 15-20 সেন্টিমিটার হয় এবং এটি স্থানীয় বাজারের বিশেষ পছন্দের উপরও নির্ভর করে। নরম ফল প্রতি 3 দিনে একবার রুটে দিন।
14	প্রত্যাশিত ফলন	ভালোভাবে পরিচালিত ফসল থেকে আদর্শ পরিস্থিতিতে 8-10 টন/একর উপাদান হয়।
17	সংরক্ষণ	
18	করবেন না	সালফার ডিঅক্সিডাস রাসায়নিক ব্যবহার করবেন না।
19	করবেন	

দ্রষ্টব্য উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ করুন।

সতর্কতা ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কটনাশক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।



କାବୁଟି-ଉତ୍ତର କୃଷି ପ୍ରଣାଳୀ

ଅଭିନବନୀ ଆପଣଙ୍କ କ୍ରିଷ୍ଣାଳ ପରିବାରରୁ ସବୁଠାରୁ ଭଲ କାବୁଟି ମଝି ମଧୁର ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି। ଉଚ୍ଚମାନର କାବୁଟି ମଝି ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ କ୍ରିଷ୍ଣାଳର ବୃତ୍ତ ଅଭିଜ୍ଞତା ରହିଛି। ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଷଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜନସାଧୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଉଚ୍ଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଇବ୍ରିଡ଼ ଫସଲ ବିକଶିତ କରିବା ଅଟେ। ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଗୁଣବତ୍ତାର ବିହନ ପାଇବା ନିଶ୍ଚିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିଷ୍ଣାଳ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ବୃତ୍ତନତମ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। କ୍ରିଷ୍ଣାଳର କାବୁଟି ମଝି ଉତ୍ତର-ପଶ୍ଚିମ ଅକ୍ଷରୋଚ୍ଚମ ଏବଂ ଚୈତ୍ରିକ ଏବଂ ଅକ୍ଟୋବର ଚାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉତ୍ତର ଶିଳି ପ୍ରଦାନ କରିଥାଏ। ଉତ୍ତର-ପଶ୍ଚିମ ଅମଳ ପାଇଁ ଦୟାକରି ସର୍ବୋଚ୍ଚ କୃଷି ପଦ୍ଧତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ନିମ୍ନଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି। ତେଣୁ କୌଣସି ନିଶ୍ଚିତ ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

କାବୁଟି ହାଇବ୍ରିଡ଼	ହରି	ହିରା I, Hyb. ଗାମା, Hyb. ଭରମ, ଗାମା	ହରି, Hyb. ବିଲମିଲ	Hyb. ସୁକାମି, ଶାମା, ସୁକା	CU-23, Hyb. SPS-91211, ସକ୍ଷ୍ୟା ପୁସ୍ତ	Hyb. ଗାମା, ରିୟା, ଶାମା	ଉତ୍ତମଆଇ, ଗରିମା (F1), Hyb. ପୁନମ						
ଅବଧୂ	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS						
ଖରିମ	ହି	ହି	ହି	ହି	ହି	ହି	ହି						
ଭବି	ହି	ହି	ହି	ହି	ହି	ହି	ହି						
ବସନ୍ତ	ହି	ହି	ହି	ହି	ହି	ହି	ହି						
ଜଳସେଚନର ଉଚ୍ଚ	ବୋରଖେଲ୍	ବୋରଖେଲ୍	ବୋରଖେଲ୍	ବୋରଖେଲ୍	ବୋରଖେଲ୍	ବୋରଖେଲ୍	ବୋରଖେଲ୍						

ଦୟାକରି ଧ୍ୟାନ ଦେଖନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଁସ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ପରିପକ୍ୱତା ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।

କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଜଳପୂର୍ଣ୍ଣ
1	ଅଞ୍ଚଳ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ। କୃଷି ଜନସାଧୁ ଅଞ୍ଚଳ	କାବୁଟି ଏବଂ ଅମୌଫିଲିନ (ଗରମ ପସର) ଏବଂ ତୁଷାର ପ୍ରତି ସମ୍ବେଦନଶୀଳ ଫସଲ। ସର୍ବାଧିକ ଅନୁକୂଳ ଚାପମାତ୍ରା ହେଉଛି 18-24 C ଏବଂ 30 C ରୁ ଅଧିକ ମହଲା ଫୁଲ ଉତ୍ପାଦନ ହୁଏ ପାଇଁ। ଆଲୋକର ଚାପତା ଏବଂ ବିନର ଚାପମାତ୍ରା ଅପେକ୍ଷା ଫୁଲ ଖୁଲିବାରେ (ଆକ୍ସେସିଭ୍) ଅଧିକ ପ୍ରଭାବିତ କରିଥାଏ।
2	ଭୂମି/ ମାଟି	ଶ୍ରେଷ୍ଠ ପଦାର୍ଥରେ ସମୃଦ୍ଧ ବାଲି ଦୋଆଁଶ ଭଲ ଜଳ ନିଷ୍କାସନ ସହିତ ଆବଶ୍ୟକ ଏବଂ ଆବର୍ଣ୍ଣ pH ହେଉଛି 6.0-7.0
3	ରକ୍ତ, ବୃଦ୍ଧି/ରୋପଣ ସମୟ	ବର୍ଷିକ ଏବଂ ମଧ୍ୟ ଭାଗରେ ଅକ୍ଟୋବର-ନଭେମ୍ବର ମାସରେ। ଭଲ ଭାଗରେ ଫେବୃଆରୀ-ଜୁନ।
4	ବିହନ ହାର / ଏକର	ହାଇବ୍ରିଡ଼ ପାଇଁ ପ୍ରାୟ 250-300 ଗ୍ରାମ/ଏକର।
4	ବୁଣା/ରୋପଣ ପଦ୍ଧତି	ବେନାଲ ପଦ୍ଧତି/ଖୁଣି ପଦ୍ଧତି ବ୍ୟାପକ
5	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ୍ର ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	10 ଚନ୍ଦ୍ର ପରିଯାଇଥିବା ଏଫ.ଏମ୍.ଏମ୍(FYM) ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ଚାପରେ ମାଟିରେ ନିଶ୍ଚିତ ପାଇଁ ହଳ କରନ୍ତୁ। * ବିହନ କେମିଳା ତିଆରି କରନ୍ତୁ * ବିହନ କେମିଳାରେ ସାରର ମୂଳ ମାତ୍ରା ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ସାର ଘୋଡ଼ାଳ ଦିଅନ୍ତୁ। * ବୃଦ୍ଧିବାର ବୁଲି ବିନ ପୂର୍ବରୁ କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। * ପ୍ରତି ପାହାଡ଼ରେ ବୁଲି ବିହନ ବୁଣାନ୍ତୁ, ଶାସ ଏବଂ ଭଲ ଅକ୍ତର ପାଇଁ ତୁରନ୍ତ ହାଲୁକା ଜଳସେଚନ ଦିଅନ୍ତୁ।
6	ବ୍ୟବଧାନ	ଧାତୁ ଧାତୁ (ବେନାଲ) 180-200 ସେ. ମି.; ଗଛ ରୁ ଗଛ: 45 ସେ. ମି. ମାଟି କ୍ଷେତ୍ର ଫସଲ ଉପରେ ଉଚ୍ଚଗୁଡ଼ିକ ମଧ୍ୟରେ 45 ସେ. ମି. ମଧ୍ୟରେ 3-4 ଫୁଟ
7	ବୃଦ୍ଧିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର	ବାହରୁ ଗାଓଡ଼ା (ଇମିଡ଼ୋ) 2 ମିଲି/ବେଠି ସହିତ ଚିକିତ୍ସା କରାଯାଏ ତେଣୁ, ବୃଦ୍ଧିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନକୁ ଭିଲାଇ ରଖନ୍ତୁ ନାହିଁ।
8	ଖତ ଏବଂ ସାର/ଏକର	* ବେସାଲ ଡୋଜ ଏବଂ ଫସଲ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ପର୍ଯ୍ୟାୟ: 30:30:30 କିଗ୍ରା NPK * ପ୍ରଥମ ଉପର ଡ୍ରୋପିଂ ବୃଦ୍ଧିବାର 20-30 ଦିନ ପରେ: 15 କିଗ୍ରା ଏବଂ (ଶାଖା ପର୍ଯ୍ୟାୟ) * ପ୍ରଥମ ଯୋଗ 45-60 ପରେ ବିତାୟ ଶାଖି ଡ୍ରୋପିଂ ଦିନ: 15 କିଗ୍ରା N ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ 60:30:30 କିଗ୍ରା NPK/ଏକର
9	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ	ମୂଳିକାର ପ୍ରକାର ଅନୁସାରେ କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। 5-6 ଦିନ ବ୍ୟବଧାନରେ ଥରେ ହାଲୁକା ଏବଂ ବାରମ୍ବାର ଜଳସେଚନ ସୁପାରିଶ କରାଯାଏ ବିଶେଷ କରି ଫୁଲ ଓ ଫଳ ଆସିବା ସମୟରେ ମୂଳ ଅଞ୍ଚଳରେ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ଆର୍ଦ୍ରତା ସୁନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ।
10	ଘାସ ବାଛିବା/ଅନ୍ତରାଳ	3-4 ଥର ହାତ ଗେ ଉପାଡ଼ିବା ଆବଶ୍ୟକ। ଜମିକୁ ଘାସ ପୂର୍ଣ୍ଣ ରଖନ୍ତୁ। ବୃଦ୍ଧିବାର 30 ଏବଂ 60 ଦିନ ପରେ ମାଟି ଭାଠାଇବା ଦରକାର।
11	ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ	ଫଳ ଧାରଣ ସମୟରେ ମଲ୍ଟିବେକ୍ସରେ 1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର ଏବଂ ଫୁଲ ଆସିବା ସମୟରେ ମାଇକ୍ରୋ ନ୍ୟୁଟ୍ରିଏଣ୍ଟ ମିଶ୍ରଣରେ 1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର ଷ୍ଟେ କରନ୍ତୁ।
12	କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ	ପାଉଁଶର ମିଲିଟ୍ରି: ଚେକ୍ସକୋନୋଜୋଲ 50% + ଗ୍ରାଉନ୍ସୋଡ଼ିଫୋସିନ 25% WG (ଲିଟର ପିଛା 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) ଡାଉନି ମିଲିଟ୍ରି: ଚେକ୍ସକୋନୋଜୋଲ 50% + ଗ୍ରାଉନ୍ସୋଡ଼ିଫୋସିନ 25% ଚକ୍ସୁଧି (WG) (ପ୍ରତି ଲିଟର 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) ପତ୍ର ଖନନକାରୀ: ଆବାମେକ୍ସିନ 1.8% ଇସି (EC) (0.5 ରୁ 1 ମିଲି/ଲିଟର), ଲାଲ କଣ୍ଠାଳ ପୋକ: ଡେଲଟାମେଥିନ 5.56% ଚକ୍ସୁଧି/ଚକ୍ସୁଧି (w/w) ଏସି(5C) (0.5 ମିଲି/ଲିଟର) ସ୍ତମ୍ଭ / ଏଫ.ଏମ୍.ଏମ୍: ଫୋନିକାମିଡ଼ 50% ଚକ୍ସୁଧି (WG) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ସୁପାରିଆମ୍ ଖିଲ୍ଡି (ଝାଉଳା ରୋଗ): କାର୍ବେଣ୍ଡାସିମ୍ (1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ସହିତ ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ ଫଳ ମାଛି: ଫେରୋମୋନ୍ ଫାଶ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ। ଚେକ୍ସୁ ମିଥୁନ୍ 1 ମିଲି/ଲିଟର କ୍ଷେତରେ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ଏବଂ ରୋଗ ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ଅଧିକ ସୂଚନା ପାଇଁ, ଦୟାକରି ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତୁ।
13	ଅମଳ	ଫଳ ରୋପଣ ପରେ 40-45 ଦିନରେ ଅମଳ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇଯାଏ। ପ୍ରାୟ 15-20 ସେ. ମି. ଲମ୍ବ ଥିବା ବେଳେ ଓ ସ୍ଥାନୀୟ ବଜାରର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ପସର ଉପରେ ନିର୍ଦ୍ଧାରଣ କରି, ପ୍ରାୟତଃ କାବୁଟି ଅମଳ କରାଯାଇଥାଏ। ପ୍ରତି 3 ଦିନରେ ଥରେ ବୋମାଳ ଫଳଗୁଡ଼ିକୁ ଅମଳ କରନ୍ତୁ।
14	ଆଶାକରାଯାଇଥିବା ଲାଭ	ଆବର୍ଣ୍ଣ ପରିସ୍ଥିତିରେ ଭଲ ଭାବରେ ପରିଚାଳିତ ଫସଲରୁ ଏକର ପିଛା 8-10 ଚନ୍ଦ୍ର ଉତ୍ପାଦନ ହୁଏ
17	ସଂରକ୍ଷଣ	
18	କରନ୍ତୁ ନାହିଁ	ସ୍ଥଳଫଳ ପରିସ୍ଥିତିରେ ପଦାର୍ଥ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ।
19	କରନ୍ତୁ	
ଟିପ୍ପଣୀ	ଉପରୋକ୍ତ ସୂଚନା ଏକ ସାଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ।	
ସର୍ବୋତ୍ତମ	ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ବ୍ୟାପୀ ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଇଛି। ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ ଯେ ବେଳେ ଉପମାନର ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଇଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ଉତ୍ତମ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖନ୍ତୁ।	

তিয়হ- অনুশীলনৰ পেকেজ

অভিনন্দন! আপুনি ক্ৰিষ্টেল পৰিয়ালৰ এটা উৎকৃষ্ট তিয়হৰ বীজ বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ তিয়হ বীজ উপাদানত ক্ৰিষ্টেলৰ দৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্মৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উপাদানশীল হাইব্ৰিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উপাদানৰ সময়ত ক্ৰিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্ৰিষ্টেলৰ তিয়হৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অণুক্ৰমিতকৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে।
অনুগ্ৰহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উৎকৃষ্ট উপাদান লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

হাইব্ৰিড তিয়হ	হনী, হনী	হিবল, হাইব্ৰিড. টিনা, হাইব্ৰিড. উত্তম, টানা	হাইব্ৰিড. ঝিলমিল	হাইব্ৰিড. সুহানী, শমা, শভেতা	সীমু-২৩, হাইব্ৰিড. এসপীএস- ৯৯২৯৯, সংখ্যা প্ৰস	হাইব্ৰিড. টানা, বিয়া, শামা	এমী, গৰিমা (এফ৯), হাইব্ৰিড. পূনম
সময়কাল	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS
খাৰ্ঘিফ	হয়	হয়	হয়	হয়	হয়	হয়	হয়
ৰাৰি	হয়	হয়	হয়	হয়	হয়	হয়	হয়
বসন্ত	হয়	হয়	হয়	হয়	হয়	হয়	হয়
জলসিঞ্চনৰ	ব'ব'ৱেল	ব'ব'ৱেল	ব'ব'ৱেল	ব'ব'ৱেল	ব'ব'ৱেল	ব'ব'ৱেল	ব'ব'ৱেল

অনুগ্ৰহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।

ক্রমিক নম্বৰ	সবিশেষ/কাৰ্য্য/অনুশীলন	কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট
1	অঞ্চলটোৰ বাবে উপযুক্ততা। কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	তিয়হ জপপ্ৰিয় আৰু হিম সংবেদনশীল শস্য। আটাইতকৈ অনুকূল তাপমাত্ৰা 18-24 ডিগ্ৰী চেলছিয়াছ আৰু 30 ডিগ্ৰী চেলছিয়াছৰ ওপৰৰ স্ত্ৰী ফুলৰ উপাদান হ্ৰাস পায়। পোহৰৰ তীব্ৰতা আৰু দিনটোৰ দৈৰ্ঘ্যই তাপমাত্ৰাতকৈ অধিক প্ৰভাৱিত কৰে।
2	ভূমি/ মাটি	জৈৱিক পদাৰ্থ সমৃদ্ধ বালি মাটি ভাল নিষ্কাশন আৰু আদৰ্শ pH 6.0-7.0ৰ সৈতে আৱশ্যকীয়
3	ঋতু, বীজ সিঁচাৰ/ৰোপণৰ সময়	অক্টোবৰ-নৱেম্বৰ দক্ষিণ আৰু মধ্য ভাৰতত। উত্তৰ ভাৰতত ফেব্ৰুৱাৰী-জুন।
4	বীজৰ হাৰ/ একৰ	হাইব্ৰিডৰ বাবে প্ৰায় 250-300 গ্ৰাম/একৰ।
4	বীজ সিঁচা/ৰোপণ পদ্ধতি	কেনেল পদ্ধতি/ ষ্টেকিং পদ্ধতিৰ দ্বাৰা
5	মূল পথাৰৰ প্ৰস্তুতি আৰু ৰোপণ	10 টন বিয়িত FYM প্ৰয়োগ কৰক আৰু পিছত মাটিত মিশ্ৰিত কৰিবলৈ হৰকইং কৰক। * বীজ সিঁচাৰ পথ তৈয়াৰ কৰক * বীজ সিঁচাৰ পথাৰত মৌলিক পৰিমাণৰ সাৰ প্ৰয়োগ কৰক আৰু সাৰক ঢাকি ৰাখক * বীজ সিঁচাৰ দুদিন আগতে পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। * প্ৰতিডাল বীজত দুটাকৈ ডাবল দিয়ক, দ্ৰুত আৰু ভাল বীজানুৰ বাবে তৎক্ষণাৎ হালধীয়া জলসিঞ্চন দিয়ক
6	ব্যৱধান	শাৰীত শাৰীত (কেনেল) 180-200 ছেঃমিঃ; উদ্ভিদৰ পৰা উদ্ভিদলৈ: 45 ছেঃমিঃ মাটি। 3-4 ফুটৰ ব্যৱধানত শৃংগ, 45 ছেঃমিঃৰ ব্যৱধানত গছ-গছনি।
7	বীজ সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ	বীজ গাউচো (ইমিডো) 2 মিলি/কেজিৰ দ্বাৰা শোধন কৰা হয়। সেয়েহে বীজ সিঁচাৰ আগতে বীজ তিয়াই নিদিব।
8	সাৰ আৰু সাৰকা হৰা/ একৰ	* প্ৰাথমিক মাত্ৰা আৰু শস্য প্ৰতিষ্ঠাৰ পৰ্যায় : 30:30:30 কেজি NPK * বীজ সিঁচাৰ 20-30 দিনৰ পিছত প্ৰথম শীৰ্ষ কাপোৰ পিন্ধা: 15 কেজি N (বিভাগীয় পৰ্যায়) * প্ৰথম পিকৰ পিছত দ্বিতীয় টোপ ড্ৰেইং: 45-60 DAS: 15 কেজি N মুঠ 60:30:30 কেজি NPK/একৰ
9	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী	মাটিৰ প্ৰকাৰৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি পথাৰত জলসিঞ্চন কৰক। 5-6 দিনৰ ব্যৱধানত এবাৰ হালধীয়া আৰু সঘনাই জলসিঞ্চনৰ পৰামৰ্শ দিয়া হয়। বিশেষকৈ ফুলা আৰু ফলনশীল অৱস্থাত মূল অঞ্চলত পৰ্যাপ্ত আৰ্দ্ৰতা নিশ্চিত কৰক।
10	অপত্ৰণ/ আন্তঃখেতি	3-4 খন হাতেৰে ঘাঁহ কাটিব লাগে। খেতিপথাৰবোৰ ঘাঁহবিহীন কৰি ৰাখক। বীজ সিঁচাৰ পিছত 30 আৰু 60 দিনত মাটি লগোৱা।
11	ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্ৰক স্প্ৰে	ফলনশীলতা পৰ্যায়ত মাল্টিপ্লেঞ্জ 1 গ্ৰাম/লিটাৰ স্প্ৰে কৰক আৰু ফুলা পৰ্যায়ত মাইক্ৰনুট্ৰিয়েন্ট মিশ্ৰণ 1 গ্ৰাম/লিটাৰ স্প্ৰে কৰক।
12	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ	পাউডাৰী মিল্কিউ: টেবুকোনাডোলা 50% + ট্ৰাইফ্লুৰিষ্ট্ৰ'বিন 25% WG (প্ৰতিটো ক্ৰীটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) ডাউনি মিল্কিউ: টেবুক'নাজ'ল 50% + ট্ৰাইফ্লুৰিষ্ট্ৰ'বিন 25% WG (প্ৰতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) পাতৰ খনিজ: এবামেক্সিন 1.8% EC(0.5ৰ পৰা 1 মিলি/লিটাৰ), ৰঙা কুমলীয়া ভেকুলাই: ডেলটামেথিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) ষ্ট্ৰিপছ/এফিড : ফ্লনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) ফুচেৰিয়াম উইল্ট: কাৰ্বেণ্ডাৰ্জিমৰ সৈতে ড্ৰেক্স কৰক (1গ্ৰাম/লিটাৰ) ফলৰ মাফি: ফেৰ'মন ফান্দ ব্যৱহাৰ কৰক। ডেল্টা মিথ্ৰিন 1 মিলি/লিটাৰ পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ আৰু অধিক তথ্যৰ বাবে স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।
13	শস্য চপোৱা	ফলবোৰ 40-45DASত চপাবলৈ সাজু হওক। তিয়হ সাধাৰণতে 15-20 ছেঃমিঃ দীঘল হলে সংগ্ৰহ কৰা হয় আৰু স্থানীয় বজাৰৰ নিৰ্দিষ্ট পছন্দৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰে। 3 দিনত এবাৰ কোমল ফল সংগ্ৰহ কৰক।
14	প্ৰত্যাহিত উপাদান	ভালদৰে পৰিচালিত শস্যৰ পৰা আদৰ্শ পৰিস্থিতিত 8-10 টন/ একৰ উপাদান হয়।
17	সংৰক্ষণ	
18	নকৰিবা	সুৰাৰ ভিত্তিত ৰাসায়নিক দ্ৰব্য ব্যৱহাৰ নকৰিব।
19	কৰিবা	

টোকা ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামৰ্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় বাজিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।

সাৱধানতা শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উপাদান বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্ৰভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঠাণ্ডা ক্ৰয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।